साजिश ▶ भ्रष्टाचार की फाइलों के बीच आरटीआई कार्यकर्ता को फंसाने की साजिश का आरोप

उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य की कार्यप्रणाली विवादों के घेरे में

शहपुरा नवभारत 23 अप्रैल। शिक्षा विभाग में इन दिनों 'भ्रष्टाचार और षड्यंत्र' की चर्चा जोरों पर हैं। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहपुरा के प्राचार्य की कार्यप्रणाली एक बार फिर विवादों के घेरे में है।

ताजा मामला सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारियों को दबाने और जानकारी मांगने वाले कार्यकर्ता को ही कथित तौर पर झूठे मामलों में फंसाने की साजिश से जुड़ा है। विभाग के भीतर दबी आवाज में यह चर्चा आम है कि पद की लालसा और राजनीतिक रसूख का हवाला देकर विभाग के ही कुछ लोगों को लामबंद करने का खेल खेला जा रहा है।

दबाव की राजनीति और लामबंदी का खेल

विकास खंड शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि प्राचार्य खुद को राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बताकर अपने अधीनस्थ संकुल

प्राचार्यों को अपने पक्ष में एकजुट कर रहे हैं। चर्चा है कि अधीनस्थ अधिकारी उनके दबाव में हैं, जिसके चलते आरटीआई कार्यकर्ता के खिलाफ बनावटी शिकायतें तैयार करने की रणनीति बनाई जा रही है। विभाग के ही निष्पक्ष अधिकारियों का मानना है कि आरटीआई के तहत जानकारी देना एक वैधानिक प्रक्रिया है; यदि संस्थान का कामकाज पारदर्शी है, तो जानकारी सार्वजनिक करने में आपत्ति क्यों है?

पुराने भ्रष्टाचार ने बढ़ाई मुश्किलें

प्राचार्य का विवादों से पुराना नाता रहा है। वर्ष 2014-15 में अपनी पुत्री को नियम विरुद्ध तरीके से मेधावी छात्र लैपटॉप योजना का 25,000 लाभ दिलाने का मामला आज भी विभाग की फाइलों में दर्ज है। तब जांच में यह सिद्ध हुआ था कि उनकी पुत्री राजस्थान के कोटा में कोचिंग कर रही थी, जबकि उन्हें कागजों में स्थानीय स्कूल में उपस्थित बताकर सरकारी राशि का गबन किया गया। कमिश्नर द्वारा दोषी पाए जाने के बाद उक्त राशि सरकारी खजाने में वापस जमा करानी पड़ी थी।

भ्रष्टाचार उजागर होने का डर

इस पूरे प्रकरण पर आरटीआई कार्यकर्ता मनीष साहू ने सीधे तौर पर प्राचार्य की मंशा पर सवाल उठाए हैं। साहू का कहना है, 'हमने उत्कृष्ट विद्यालय में हुई वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में विशिष्ट जानकारियां चाही हैं। प्राचार्य द्वारा जानकारी नहीं देना स्पष्ट करता है कि व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। अब अपनी गर्दन फंसती देख वे मुझे झूठे आरोपों में फंसाने का षड्यंत्र रच रहे हैं।

शिक्षा विभाग की चुप्पी पर उठते सवाल

इस खींचतान के बीच शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों की चुप्पी भी संदेह पैदा कर रही है। एक ओर शासन पारदर्शिता की बात करता है, वहीं दूसरी ओर एक जिम्मेदार पद पर बैठा व्यक्ति सूचना साझा करने के बजाय शिकायतकर्ता को ही निशाना बनाने में लगा है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग इस लामबंदी और भ्रष्टाचार के आरोपों पर क्या कड़ा रुख अख्तियार करता है।

नगरवासियों ने खोला मोर्चा निष्पक्ष जांच की मांग

प्राचार्य की विवादित कार्यप्रणाली और एक ही व्यक्ति के पास दोहरे प्रभार को लेकर नगरवासियों में भारी आक्रोश है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। लोगों का कहना है कि स्थानांतरण के बावजूद शहपुरा में जमे रहना और आरटीआई के नियमों का उल्लंघन करना यह सिद्ध करता है कि कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

खनिजों के अवैध परिवहन करते 2 वाहन जब्त

नवभारत उमरिया 23 अप्रैल। जिले में कलेक्टर राखी सहाय के निर्देशन में प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एनएस आर्मो की टीम द्वारा खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम हेतु सतत् भ्रमण किया जा रहा है।

इसी तारतम्य में खनिज अमले की वाहन जांच में जिला मुख्यालय से लगे ग्राम बडेरी में 1 ट्रैक्टर मय ट्राली को खनिज रेत के परिवहन करते पाए जाने पर रोका गया। जांच के दौरान ई-टीपी नहीं पाए जाने से वाहन को जब्त किया गया। इसी प्रकार ग्राम छादा तहसील नौरोजाबाद के पास 1 ट्रैक्टर मय ट्राली खनिज रेत का अवैध परिवहन करते जब्त किया गया।

मरई कला में जमीन से शिवलिंग निकलने की चर्चा

▶ आस्था उमड़ी, जांच की मांग भी उठी

चिल्हारी नवभारत 23 अप्रैल। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत समरकोइनी के मरई कला गांव में बिछुला फॉरेस्ट कैंप के पीछे जमीन से शिवलिंगनुमा आकृति निकलने की खबर से क्षेत्र में हलचल मच गई है। घटना के बाद से ग्रामीणों में आस्था का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग स्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

ग्राम मरई निवासी फली मरावी के अनुसार, उन्हें दो दिन पूर्व रात में एक स्वप्न आया था। उनका कहना है कि स्वप्न में एक सर्प के रूप में उन्हें संकेत मिला कि गांव के पश्चिम दिशा में जाकर देखने पर भगवान की मूर्ति मिलेगी। अगले दिन बताए गए स्थान पर पहुंचने पर जमीन से उभरी शिवलिंग जैसी आकृति दिखाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रारंभ में जमीन से छोटा सा पत्थर दिखाई दे रहा था, जो धीरे-धीरे शिवलिंग के आकार में स्पष्ट होता जा रहा है।

लोगों में श्रद्धा और जिज्ञासा

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी लोग वहां पहुंच रहे हैं। महिलाएं और बुजुर्ग पूजा-पाठ कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बना हुआ है ।हालांकि, इस घटना को लेकर कुछ लोगों ने प्रशासन से स्थल की जांच कराने की मांग भी उठाई है, ताकि तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट हो सके और किसी प्रकार की भ्रांति नहीं फैले। फिलहाल, मरई कला का यह स्थल आस्था का केंद्र बना हुआ है, जहां लोगों की श्रद्धा और जिज्ञासा दोनों साथ दिखाई दे रही हैं।

पतौर रेन्ज के चिल्हारी व मझोली कोर में लगी आग

▶ वन विभाग ने दमकल रवाना किए

चिल्हारी नवभारत 23 अप्रैल। जिले के मानपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पतौर रेन्ज के चिल्हारी एवं मझोली कोर बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान अन्तर्गत जंगल में भयंकर आग लगी हुई थी, जिसे देखकर नवभारत प्रतिनिधि रमाकान्त तिवारी ने तत्काल बीटीआर संचालक को दूरभाष से अवगत कराया।

बीटीआर संचालन ने इसे तत्काल संज्ञान में लेते हुए पूरे पनपथा एवं पतौर रेन्ज के वन अमले को आनन फानन में निर्देशित कर आग लगे स्थल के लिए दमकल रवाना किया। पतौर रेन्ज वही रेन्ज है जहां पिहरी कान्ड हुआ था। जंगल में आग लगने से पेड़-पौधे जलकर राख हो रहे है। जंगली जीव जन्तुओ पर संकट मंडरा रहा है। जंगल में आग लगने से कितने जीव जन्तु आग में जल जाते हैं कोई देखने वाला नहीं है।

मित्रता भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी करो : वल्लभाचार्य

▶ श्रीमद्भागवत कथा का समापन, आज होगा भंडारा और हवन

चिल्हारी नवभारत 23 अप्रैल। जिले के ग्राम अमरपुर गौतम परिवार में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का गुरुवार को समापन हुआ। शुक्रवार को हवन-यज्ञ में पूर्ण आहुति होगी और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

अमरपुर मेन बाजार में श्रीमद् भागवत का सुन्दर चित्रण कर रहे कथा व्यास जगद्गुरु श्री श्री 1008 स्वामी वल्लभाचार्य महाराज द्वारा सप्तदिवसीय अमृत रूपी श्रीमद् भागवत कथा श्रोताओं को रसस्वादन कराई तथा गुरूवार को अंतिम दिन सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए पंडाल में उपस्थित श्रोताओं को

भाव-विभोर किया। महाराज ने सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि मित्रता करो, तो भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी करो। सच्चा मित्र वही है, जो अपने मित्र की परेशानी को समझे और बिना बताए ही मदद कर दे।

आजकल स्वार्थ की मित्रता रह गई-महाराज ने कहा कि आजकल स्वार्थ की मित्रता रह गई है। जब तक स्वार्थ सिद्ध नहीं होता है, तब तक मित्रता रहती है। जब स्वार्थ पूरा हो जाता है, मित्रता खत्म हो जाती है। श्री महराज ने कथा श्रवण करते हुए कहा कि समस्त पापो का नाश करने वाली कथा जिसके पठन , पाठन एवं श्रवण के 'पुण्य' से समस्त पाप मिटने लगते है एवं जीवात्मा सदगति को प्राप्त होती है यानि पाप नाश के साथ ही सद्गति भी! अत: इस पुण्य कारी कथा का श्रवण एवं अनुकरण करे।

श्रीमद्भागवत जीवन को रसमय बना देता है-श्रीमद्भागवत एक ज्ञान यज्ञ है। यह मानवीय जीवन को रसमय बना देता है। भगवन् कष्ण की अद्भुत लीलाओं का वर्णन इसमें समाहित है। भव-सागर से पार पाने के लिये श्रीमद्भागवत कथा एक सुन्दर सेतु है। व्यास ने अपने पुत्र शुकदेव को श्रीमद्भागवत पढ़ायी, तब शुकदेव ने राजा परीक्षित को जिन्हें सात दिन में मरने का श्राप मिला, उन्हें सात दिनों तक श्रीमद्भागवत की कथा सुनायी, जिससे राजा परीक्षित को सात दिन में मोक्ष की प्राप्ति हुयी।

अमृत से भरे इस रस का पान करने से जीवन धन्य हो जाता है-श्रीमद्भागवत वेद रूपी वृक्षों से निकला एक पका हुआ फल है। शुकदेव महाराज के श्रीमुख के स्पर्श होने से यह पुराण अमृतमय एवं मधुर हो गया है। इस फल में न तो छिलका है, न गुठलियां हैं और न ही बीज हैं। अर्थात इसमें कुछ भी त्यागने योग्य नहीं हैं सब जीवन में ग्रहण करने योग्य है। श्री वल्लभाचार्य महाराज ने कहा कि अमृत से भरे इस रस का पान करने से जीवन धन्य-धन्य हो जाता है।

भीषण गर्मी के चलते कक्षा 1 से 5 तक अवकाश घोषित

डिंडौरी। जिले में लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, जिले में संचालित सभी शासकीय, अशासकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के लिए समय सारणी में बदलाव किया गया है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को ध्यान में रखते हुए कक्षा 1 से 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 21 से 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय संचालन का समय प्रातः 07:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित किया गया है।

संबल योजना में गड़बड़ी, ऑपरेटर मुकेश गिरफ्तार

डिंडौरी, नवभारत 23 अप्रैल। जिले की जनपद पंचायत समनापुर में संबल योजना के तहत वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आने पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए ऑपरेटर मुकेश मालवीय को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोप है कि उन्होंने योजना की राशि में हेराफेरी कर उसे अपने निजी खाते में स्थानांतरित किया ।जानकारी के अनुसार, संबल योजना की राशि में गड़बड़ी की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने मामले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध आपराधिक

मामला दर्ज किया गया।

जांच जारी रहेगी-थाना समनापुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। प्रशासन द्वारा इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आगे की जांच जारी रखी जा रही है, ताकि योजना में हुई अनियमितताओं की पूरी सच्चाई सामने लाई जा सके।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 5 मई से

डिंडौरी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 5 मई से 5 जून तक किया जाएगा। शिविर के सफल संचालन को लेकर 22 अप्रैल को जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद अहमद खान के मार्गदर्शन में इंडोर स्टेडियम में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे। इस दौरान शिविर के सुचारू संचालन, खिलाड़ियों की अधिकतम सहभागिता तथा विभिन्न खेल विधाओं के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

पुस्तकें हमारे जीवन की सच्ची मार्गदर्शक : सहाय

▶ पुस्तक मेले का कलेक्टर ने किया शुभारंभ

नवभारत उमरिया 23 अप्रैल। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय उमरिया में आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक मेले का शुभारंभ कलेक्टर राखी सहाय ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न पुस्तक स्टॉलों का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर सहाय ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुस्तकें हमारे जीवन की सच्ची मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारे ज्ञान, सोच और व्यक्तित्व विकास का सर्वोत्तम माध्यम होती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मोबाइल और डिजिटल माध्यमों के इस दौर में यदि आप स्वयं को आगे रखना चाहते हैं, तो पुस्तकों से दोस्ती करना बेहद जरूरी है। रोजाना थोड़ा समय पाठ्यक्रम से अलग पुस्तकें पढ़ने के लिए निर्धारित करेंकृयही आदत आपको भीड़ से अलग पहचान दिलाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह ने कहा कि पुस्तक मेले का उद्देश्य एक ही स्थान पर विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना है।

आयोजन ▶ बाल सह युवा नाट्य कार्यशाला का समापन

नृत्य, नाटिका एवं गायन विधाओं की दी जानकारी

डिंडौरी, नवभारत 23 अप्रैल। बुधवार को मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल संस्कृति विभाग द्वारा बीस दिवसीय बाल सह युवा नाट्य कार्यशाला का समापन समारोह आदिरंग समिति डिंडौरी द्वारा मेकलसुता महाविद्यालय डिंडौरी में किया गया।

समारोह में अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया एवं एसडीएम रामबाबू देवांगन, जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष अवध राज बिलैया, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, कीर्ति गुप्ता, शक्ति परस्ते, प्राचार्य अविनाश

मानिकपुरी, प्राचार्य डॉ. बालकृष्ण द्विवेदी, रजिस्टार डॉ. प्रदीप द्विवेदी, डॉ. स्वर्ण तिवारी एवं दावेंदर सिंह ग्रोवर, वरिष्ठ रंगकर्मी आशुतोष द्विवेदी, विवेक पांडे, संतोष राजपूत उपस्थित रहे।

बच्चों के लिए एक अनूठा प्रयास-बाल सह युवा कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जहां संसाधन कम हैं वहां बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना रहा। कार्यशाला में बच्चों को नृत्य, नाटिका एवं गायन विधाओं को बारीकी से बताया गया। युवाओं के द्वारा नाटक, नृत्य गायन का मंचन किया गया। युवाओं में हर्ष उल्लास देखा गया,जिससे निश्चित ही आदिरंग समिति डिंडौरी के द्वारा ये किया गया अनूठा प्रयास जिले के प्रतिभाशाली बच्चों के लिए कारगर साबित होगा।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

महत्वपूर्ण सूचना
द्वितीय परीक्षा

वर्ष 2026 की हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी के अनुत्तीर्ण विषयों की परीक्षा देने अथवा अंक सुधार के लिए
द्वितीय परीक्षा का आयोजन

परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि में 26.04.2026 तक की वृद्धि की गई है

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा अब तक आयोजित होने वाली पूरक परीक्षा के स्थान पर अनुत्तीर्ण विषयों अथवा अंक सुधारने के लिए द्वितीय परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।
- द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए छात्र मुख्य परीक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित होते ही एम.पी. ऑनलाइन के कियोस्क पर अपनी मुख्य परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर द्वितीय परीक्षा के विषय, अनुक्रमांक (रोल नंबर) की जानकारी देकर शुल्क का नगद भुगतान कर परीक्षा आवेदन पत्र भर सकेंगे।
- द्वितीय परीक्षा में छात्र को अनुत्तीर्ण विषयों का चयन अनिवार्य है परन्तु उत्तीर्ण विषयों का चयन स्वैच्छिक है।
- द्वितीय परीक्षा की अंक सूची मुख्य परीक्षा की भांति जारी की जायेगी।
- मंडल द्वारा जारी अंक सूची का अधिभार सर्वमान्य है।
- वर्ष 2026 की हाईस्कूल द्वितीय परीक्षा दिनांक 07 मई 2026 से 19 मई 2026 तक एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा दिनांक 07 मई 2026 से 25 मई 2026 तक प्रातः 09:00 से 12:00 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी।

विस्तृत जानकारी एवं परीक्षा का कार्यक्रम मण्डल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/125454/2026